

*Total number of pages-12*

**Subject Code : 27**

**B16-SX (E)**  
**EN/AS/BN**

**2016**

**SANSKRIT (E)**

*Full Marks : 100*  
*Pass Marks : 30*

**Time : Three hours**

*The figures in the margin indicate full marks  
for the questions.*

*Contd.*



1. Translate the following passages :

4×4=16

তলৰ অনুচ্ছেদ কেইটা অনুবাদ কৰা :

নিচের অনুচ্ছেদগুলোর অনুবাদ কৰো :

- (a) तत्तस्य वचनं श्रुत्वा मदोद्धता वानराः तं तिरस्कारम् अकुर्वन्। तदा वानरयूथपतिः प्रोवाच — रे रे मूर्खाः, यूयं राजगृहस्य सुखस्य परिणामं न जानीथ। तदहं कुलक्षयं स्वयं नावलोकयिष्यामि। साम्प्रतं वनं यास्यामि।

**Or / নাহিবা / অথবা**

তথানুষ্ঠিতে ভূপতিনা সহ রত্নমালালোভেন সৰ্ব্বে কলত্রভৃত্যাঃ প্রস্থিতাঃ। তত্র বানরোক্তবিধিনা রাজঃ সৰ্ব্বে জনাঃ জলে প্রবেশিতাঃ। সद्य এব প্রবিষ্টাস্তে লোকাঃ সৰ্ব্বে রত্নমালাভূপিতেন রাक्षसेन भक्षिताः।

- (b) किन्तु धारानगरवासी राजा भोजः रंगपीडितो नितराम् अस्वस्थो वर्तते। तस्य रोगः केनापि वैद्येन न निवारितः। तदनेन भोजराजेन भिषग्वरा अपि स्वदेशान्निष्कासिताः। वैद्यशास्त्रमपि अनृतमिति निरस्तम् इति।

**Or / নাহিবা / অথবা**

परं तस्मिन्नेव क्षणे कार्यवशात् बहिर्निगतः बुद्धिसागरः तौ दृष्ट्वा तयोः वार्तां श्रुत्वा तौ राज्ञः समीपं नीतवान्। राजा तौ अवलोक्य मुखश्रियाऽमानुपादिति बुद्ध्वा तौ बहु मानितवान्।

- (c) शैशवे एव तस्य माता-पितरौ दिवं गतौ। तयोर्मरणात् परं शंकरदेवस्य वृद्धमाता खेरसूती तं पालितवती। तदनन्तरं महेन्द्रकन्दली महोदयस्य विद्यालये शिक्षाग्रहनाय खेरसूती शंकरदेवस्य नामभर्तिकरणं कारितवती।

**Or / নাহিবা / অথবা**

धर्मगुरुः शंकरदेवः धर्मप्रचारार्थं कीर्तननामकं ग्रन्थं विरचितवान्। भागवतपुराणमपि अनूदितवान्। भागवतस्य आख्यानानि आश्रित्य अनेकग्रन्थान् च विरचितवान्। तेषु 'हरिश्चन्द्र-उपाख्यानम्', 'अजामिल-उपाख्यानम्', 'बलिछलनम्' — इत्यादयः ग्रन्थाः उल्लेखनीयाः।

- (d) अस्य महाकवेः विकाशकालम् अधिकृत्यापि विदुषां वैमत्यं दृश्यते। तथापि एतत् निश्चितं यत् कालिदासः चन्द्रगुप्तस्य विक्रमादित्यस्य भूपतेः राजसभायां नवरत्नेषु अन्यतम आसीत्। साम्प्रतिकैरनेकैः कविभिः ईशवीय-पञ्चमशताब्दीतः सप्तमशताब्दीपर्यन्तं कालिदासस्य समयः निश्चीयते।



**Or / नहिवा / अथवा**

अभिज्ञानशकुन्तलनाटकं न केवलं कालिदासीयसाहित्ये, अपि तु विश्वनाट्यसाहित्येऽपि श्रेष्ठं स्थानम् अधिकरोति। उक्तं च — 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इति। सप्ताङ्कविशिष्टे नाटकेऽस्मिन् दुष्यन्तशकुन्तलयोः गान्धर्वविवाहमधिकृत्य सर्वा कथा उपनिबद्धा सन्ति।

2. Explain the following verses with reference to the context : 5×2=10

প্রসঙ্গ-সঙ্গতি দেখুৱাই তলৰ শ্লোককেইটাৰ ব্যাখ্যা কৰাঁ :

সপ্ৰসঙ্গ নিচের শ্লোকগুলোর ব্যাখ্যা কৰো :

(a) तयोर्नित्यं प्रियं कुर्यादाचार्यस्य च सर्वदा।  
तेष्वेव त्रिषु तुष्टेषु तपः सर्वं समाप्यते॥

**Or / नहिवा / अथवा**

वयसः कर्मणोऽर्थस्य श्रुतस्याभिजनस्य च।  
वेशवाग्बुद्धिसारूप्यमाचरन् विचरेदिह॥

(b) प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्व्वशः।  
अहंकारविमूढात्मा कर्त्ताहमिति मन्यते॥

**Or / नहिवा / अथवा**

ज्ञानविज्ञानतृप्तात्मा कूटस्थो विजितेन्द्रियः।  
युक्त इत्युच्यते योगी समलोष्ट्राश्मकाञ्चनः॥

3. Elucidate the idea of the following :

4×2=8

তলত দিয়াবোৰৰ ভাৱ বহুলাই নিখাঁ :

নিম্ননিখিতগুলোর ভাব বিস্তার কৰো :

(a) याचते कार्यकाले यः स किंभृत्यः स किंसुहृत्।

**Or / नहिवा / अथवा**

खामिनं सर्वभावेन परलोकममायया॥

(b) सुरतरुखि कामप्रदायिनी।

**Or / नहिवा / अथवा**

परम-पूतचरितचारिणी



4. Answer the following questions :

4×3=12

তলৰ প্রশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর লেখো :

(a) “भो मित्र, यत्समुचितं भवति तत् कर्तव्यमिति”

Who said this? To whom was it said? What was the reason of saying so?

এই কথাষাৰ কোনে কৈছিল? এনেদৰে কাক কোৱা হৈছিল? তেনেদৰে কোৱাৰ কাৰণটো কি আছিল?

এই কথাটি কে বনেছিল? এভাবে কাকে বলা হয়েছিল? সেভাবে বলার কারণ কী ছিল?

(b) From which drama the lesson ‘भ्रातृस्नेहस्तु दुर्लभः’ is adopted? Give an introduction of the dramatist.

‘ভ্রাতৃস্নেহস্তু দুৰ্লভঃ’ নামৰ পাঠটি কোনখন নাটকৰ পৰা সংগ্ৰহ কৰা হৈছে? নাট্যকাৰজনৰ এটি পৰিচয় দিয়া।

‘ভ্রাতৃস্নেহস্তু দুৰ্লভঃ’ নামক পাঠটি কোন নাটক থেকে সংগৃহীত? নাট্যকারের একটি পরিচয় দাও।

(c) Answer the following questions in Sanskrit :

তলৰ প্রশ্নবোৰৰ উত্তৰ সংস্কৃতত লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর সংস্কৃততে লেখো :

(क) कुमारसम्भवम् महाकाव्ये कस्य कथा उपलभ्यते?

(ख) कुमारसम्भवम् महाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

(ग) मेघदूतकाव्ये कः मेघं दूतरूपेण प्रेषयामास?

(घ) विक्रमोर्वशीयम् नाटके कस्य कथा उपलभ्यते?

5. (a) Answer the following questions :

2

তলৰ প্রশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখাঁ :

নিচের প্রশ্নগুলোর উত্তর দাও :

(i) Fill in the blanks :

খালী ঠাই পূৰণ কৰাঁ :

শূন্যস্থান পূৰ্ণ কৰো :

\_\_\_\_\_ न्यसेत्पादं \_\_\_\_\_ जलं पिबेत्।



(ii) 'मम देवसमागमसमयः समागतः' —

Who is the speaker of this line? Whom did the speaker say this? 2

এই কথাষাৰিৰ বক্তা কোন? বক্তাই কাক এই কথা কৈছিল?

এই কথাটিৰ বক্তা কে? বক্তা কাকে এই কথাটি বলেছিলেন?

(iii) Give Sanskrit equivalents of the following: (any two) 2

তলৰ যিকোনো দুটাৰ সংস্কৃত প্ৰতিশব্দ লিখাঁ :

নিচের যে কোনো দুটির সংস্কৃত প্রতিশব্দ লেখো :

मित्रम्; भार्या; क्रोधः; भूमिः।

(iv) Write the names of any two famous writers mentioned in the lesson 'प्रसरतु सुरभारती'। 2

'प्रसरतु सुरभारती' নামৰ পাঠটিত উল্লেখ থকা যিকোনো দুজন বিখ্যাত লিখকৰ নাম উল্লেখ কৰাঁ।

'प्रसरतु सुरभारती' নামক পাঠে উল্লেখিত যে কোনো দুজন বিখ্যাত লেখকেৰ নাম উল্লেখ কৰো।

(v) Write the names of two "अङ्गीया-नाटक"s written by Srimanta Sankaradeva. 2

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱে ৰচনা কৰা দুখন 'অঙ্কীয়া নাটক'-ৰ নাম লিখাঁ।

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱেৰ ৰচিত দুটি 'অঙ্কীয়া নাটক'-এৰ নাম লেখো।

(b) (i) "The मनुसंहिता is also called मानवधर्मशास्त्र". 1

Write "Yes" or "No"

"हय" ने "नहय" लिखी।

"हय" अथवा "ना" लेखो।

(ii) To which section of the 'हितोपदेश' does the lesson "गर्दभकुक्कुर कथा" belong? 1

"गर्दभकुक्कुर कथा" নামৰ পাঠটি 'हितোপদেশ'ৰ কোনটো খণ্ডত আছে?

"गर्दभकुक्कुर कथा" নামক পাঠটি 'हितোपदेश'-এৰ কোন খণ্ডে আছে?



- (iii) How many chapters are there in the “गीता”? 1  
 “गीता”ত কেইটা অধ্যায় আছে?  
 “गीতা”র ক’টি অধ্যায় আছে?
- (iv) With whom ‘भरत’ went to forest in search of राम? 1  
 ‘भरत’ काब सैते रामक बिचाबि बनलै गैछिल?  
 ‘भरत’ काब सङ्गे रामेर अनुसङ्गाने बने गियेछिलेन?
- (v) “भ्रातृमनोरथं पूरय”  
 — who is referred to, as ‘भ्रातृ’ here? 1  
 ইয়াত ‘भ्रातृ’ বুলি কাক বুজোৱা হৈছে?  
 এখানে ‘भ्रातृ’ বলে কাকে বোঝানো হয়েছে?
- (vi) “The lesson ‘यक्षयुधिष्ठिर-संवाद’ is taken from the ‘वनपर्व’ of महाभारत.”  
 Say ‘Yes’ or ‘No’. 1  
 ‘হয়’ নে ‘নহয়’ কোৱাঁ।  
 ‘হ্যাঁ’ অথবা ‘না’ বনো।
- (vii) What is superior to wealth? 1  
 ধনতকৈ উত্তম কি?  
 সম্পদ থেকে শ্রেষ্ঠ কী?
- (viii) Who is the friend in abroad? 1  
 বিদেশত মিত্র কোন?  
 বিদেশে বন্ধু কে?
- (ix) Who is the author of the lesson “महापुरुषः श्रीमन्तशंकरदेवः”? 1  
 “महापुरुषः श्रीमन्तशंकरदेवः” নামৰ পাঠটিৰ লেখক কোন?  
 “महापुरुषः श्रीमन्तशंकरदेवः” নামক পাঠের লেখক কে?

6. (a) Account for the case-ending in **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নিচের যে কোনো দুটিৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰো :

ভূপতিনা in Q. No. 1 (a) or

[1 নং (a) অথবা প্রশ্নত ]

[1 নং (a) অথবা প্রশ্নে ]

বৈদ্যন in Q. No. 1 (b)

[1 নং (b) প্রশ্নত ]

[1 নং (b) প্রশ্নে ]

নবরলেষু in Q. No. 1 (d)

[1 নং (d) প্রশ্নত ]

[1 নং (d) প্রশ্নে ]

তস্য in Q. No. 1 (c)

[1 নং (c) প্রশ্নত ]

[1 নং (c) প্রশ্নে ]

(b) Derive **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নিচের যে কোনো দুটিৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰো :

প্ৰোবাচ in Q. No. 1 (a)

[1 নং (a) প্রশ্নত ]

[1 নং (a) প্রশ্নে ]

অশ্লিত্য in Q. No. 1 (c) or

[1 নং (c) অথবা প্রশ্নত ]

[1 নং (c) অথবা প্রশ্নে ]



कुर्यात् in Q. No. 2 (a)

[ 2 नं (a) प्रश्नत ]

[ 2 नं (a) प्रश्ने ]

मन्यते in Q. No. 2 (b)

[ 2 नं (b) प्रश्नत ]

[ 2 नं (b) प्रश्ने ]

7. (a) Decline **any two** of the following :

1½×2=3

तलर यि कोनो दुटाब शदरुप लिखी :

निचेर ये कोनो दु'टिर शदरुप लेखो :

नर in षष्ठी plural

(षष्ठीर बह्वचनत)

(षष्ठीर बह्वचने)

नदी in द्वितीया Dual

(द्वितीयाब द्विवचनत)

(द्वितीयाब द्विवचने)

साधु in सप्तमी singular

(सप्तमीर एकवचनत)

(सप्तमीर एकवचने)

राजन् in चतुर्थी Dual

(चतुर्थीर द्विवचनत)

(चतुर्थीर द्विवचने)



(b) Conjugate **any two** of the following :

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ধাতুৰূপ লিখাঁ :

নিচের যে কোনো দুটিৰ ধাতুৰূপ লেখো :

√অদ্ in লদ্ মি

(লট্ বিভক্তিৰ মি)

(লট্ বিভক্তিৰ মি)

√বিদ্ in লোদ্ হি

(লোট্ বিভক্তিৰ হি)

(লোট্ বিভক্তিৰ হি)

√কৃ (প.) in লঙ্ ম

(লঙ্ বিভক্তিৰ ম)

(লঙ্ বিভক্তিৰ ম)

√পদ্ in বিধিলিঙ্ যাস্

(বিধিলিঙ্ বিভক্তিৰ যাস্)

(বিধিলিঙ্ বিভক্তিৰ যাস্)

(c) Name and expound **any two** of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যাসবাক্য লিখি সমাসৰ নাম লিখাঁ :

নিচের যে কোনো দুটিৰ ব্যাসবাক্য লিখে সমাসের নাম লেখো :

দুৰ্ভিক্ষম্ ; মহাবীৰঃ ; ত্রিলোকী ; পীতাম্বরঃ ।

(d) Change the voice in **any one** of the following :

2

তলৰ যি কোনো এটাৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰাঁ :

নিচের যে কোনো একটিৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰো :

(i) বালিকা আদনং পচতি ।

(ii) কুম্ভকাবেণ ঘটং ক্ৰিয়তে ।

(iii) অহং গৃহং গচ্ছামি ।



(e) Define and illustrate 'अपादान कारक'.

2+1=3

'अपादान कारक'ৰ সংজ্ঞা আৰু উদাহৰণ দিয়া।

'अपादान कारक'-এৰ সংজ্ঞা এবং উदाहरण दाओ।

Or / নাইবা / অথবা

Give examples in suitable sentences of **any two** of the following :

1½×2=3

উপযুক্ত বাক্যত তলৰ যিকোনো দুটাৰ উদাহৰণ দিয়া :

উপযুক্ত বাক্যে নিচের যে কোনো দুটির উদাহরণ दाओ :

(i) भावे सप्तमी।

(ii) येनाङ्गविकारः।

(iii) तुमथच्चि भाववचनात्।

(iv) पष्ठी चानादरे।

(f) Give the resultant forms of **any two** of the following : 1×2=2

তলৰ যিকোনো দুটাৰ নিষ্পন্ন ৰূপ লিখা :

নিচের যে কোনো দুটির নিষ্পন্ন ৰূপ লেখো :

(i) √ज्ञा + णिच् + लट् ति।

(ii) √स्था + णिच् + लट् ति।

(iii) √कृ + सन् + लट् ति।

(iv) √गम् + सन् + लट् ति।

8. Translate into Sanskrit **any four** of the following sentences :

2½×4=10

তলৰ যিকোনো চাৰিটা বাক্য সংস্কৃতলৈ অনুবাদ কৰা :

নিচের যে কোনো চারটি বাক্য সংস্কৃতে অনুবাদ করো :

(a) Character is the greatest wealth of a man.

চৰিত্ৰই মানুহৰ আটাইতকৈ শ্ৰেষ্ঠ সম্পদ।

চরিত্র মানুষের সর্বশ্রেষ্ঠ সম্পদ।



(b) Idleness is a great enemy of man.

এলাহেই মানুহৰ প্ৰধান শত্ৰু।

আলস্য মানুহৰ প্ৰধান শত্ৰু।

(c) There is no wealth like learning.

বিদ্যাৰ সমান ধন নাই।

বিদ্যাৰ সমান সম্পদ নাই।

(d) Flowers are blooming in the garden.

বাগিছাত ফুলবোৰ ফুলি আছে।

উদ্যানে ফুলগুলো ফুটে আছে।

(e) What is your name? What class do you read in?

তোমাৰ নাম কি? তুমি কোন শ্ৰেণীত পঢ়া?

তোমাৰ নাম কী? তুমি কোন শ্ৰেণীতে অধ্যয়ন কৰো?

(f) We should not cut down trees.

আমি গছ কটা উচিত নহয়।

আমাদেৰ গাছ কটা উচিত নয়।

— x —